Roll No. ....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(1048)

UG (CBCS) RUSA IVth Semester (Old) Examination

759

SANSKRIT

(Natika Tatha Vyakaran)

(Core/Elective/Additional)

Paper : BASKT-0444

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks :70**

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

भाग-क

1. (क) अधोलिखितप्रश्नानां एकपदेन उत्तरं लिखत–

(i) कांचनमाला का आसीत् ?

(ii) 'रत्नावली' नाटिकायाः नायिकः कः अस्ति ?

(iii) द्विकर्मक धातुनिर्मिते वाक्ये कति कर्माणि भवन्ति ?

(iv) स्वाहा योगे कतमा विभक्तिः प्रयुज्यते ?

(v) 'सु' उपसर्गस्य कः अर्थः ?

(vi) 'रत्नावली' कस्य कृतिः अस्ति ?

(vii) सिंहलेश्वरविक्रमवाहुसुता का आसीत् ?

(viii) वसुभूतिः कः अस्ति ?

(ix) सम्प्रदाने कतमा विभक्तिः प्रयुज्यते ?

(x) 'परि' उपसर्गस्य कः अर्थः ? 10×1=10

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (लगभग **25–50** शब्दों में) लिखिए–

(i) स्पृहेरीप्सितः–इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

(ii) पच् तथा दण्ड्–धातुओं का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(iii) अप तथा नि–उपसर्गों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(iv) 'आनीय झटिति घटयति विधिरभिमतमभिमुखीभूतः'– इस पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

(v) राजा उदयन सागरिका पर कब अनुरक्त हो जाता है ? वर्णन कीजिए। 5×4=20

भाग-ख

2. निम्नलिखित प्रत्येक भाग में से **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए–

(क) रत्नावली का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'रत्नावली' नाटिका में चित्रित सामाजिक व्यवस्था का अपने शब्दों में निरूपण कीजिए।

(ख) 'रत्नावली' नाटिका के द्वितीय अंक की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

'रत्नावली' नाटिका में चित्रित राजनीतिक व्यवस्था का वर्णन कीजिए। 2×5=10

भाग-ग

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** भाग के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चि, शास्, कृष् तथा वह्–धातुओं का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(ख) 'रत्नावली' नाटिका के तृतीय अंक की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

(क) दुस्, दुर, अधि तथा अति उपसर्गों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(ख) 'रमयतितरां संकेतस्था तथापि कामिनी'–इस पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 1×10=10

भाग-घ

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** भाग के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) उदयतटान्तरितमियं प्राची सूचयति दिङ्निशानाथम्।
परिपाण्डुना मुखेन प्रियमिव हृदयस्थितं रमणी॥

(ख) श्लाघ–ह्नुङ्ः–स्था–शपां ज्ञीप्स्यमानः–इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

अथवा

(क) प्राणाः परित्यजत काममदक्षिणं मां
रे दक्षिणा भवत मद्वचनं कुरुध्वम्।
शीघ्रं न यात यदि तन्मुषिताः स्थ नूनं
याता सुदूरमधुना गजगामिनी सा॥

(ख) 'रुच्यर्थानां प्रियमाणः'—इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 1×10=10

भाग-ङ

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** भाग के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) राज्यं निर्जितशत्रु योग्यसचिवे न्यस्तः समस्तो भरः
सम्यक्पालनलालिताः प्रशमिताशेषोपसर्गाः प्रजा।
प्रद्योतस्य सुता वसन्तसमयस्त्वं चेति नाम्ना धृतिं
कामः काममुपैत्वयं मम पुनर्मन्ये महानुत्सवः॥

(ख) दृशः पृथुतरीकृता जितनिजाब्जपत्रत्विष—
श्चतुर्भिरपि साधु साध्विति मुखैः समं व्याहृतम्।
शिरांसि चलितानि विस्मयवशाद् ध्रुवं वेधसा
विधाय ललनां जगत्त्रयललामभूतामिमाम्॥

अथवा

(क) श्रीहर्षो निपुणः कविः परिषदप्येषा गुणग्रहिणी
लोके हारि च वत्सराजचरितं नाट्ये च दक्षा वयम्।
वस्त्वेकैकमपीह वाछिंतफलाप्रापतेः पदं किं पुनः
र्मद्भाग्योपचयादयं समुदितः सर्वो गुणानां गणः॥

(ख) तीव्रः स्मरसंतापो न तथादौ बाधते यथासन्ने।
तपति प्रावृषि नितराभ्यर्णजलागमो दिवसः॥ 1×10=10